



कार्यालय सचिवालय

अंतरराष्ट्रीय सर्वधर्म परिषद

International Council of Religions

वेबसाइट: www.icr-int.org

Ref No.: - ICR/2025/68279

Dated: - 27/08/2025

अधिसूचना

विषय: 'प्रकृति एवं पर्यावरण संरक्षण: सभी धर्मों का साझा दायित्व' के अंतर्गत अंतरराष्ट्रीय सर्वधर्म परिषद द्वारा विशेष हरित पहल (Green Initiative) तथा विधिक 'वैश्विक सर्वधर्म हरित घोषणापत्र 2025' (Global Interfaith Green Charter 2025) का आधिकारिक विमोचन, अंगीकरण एवं वैश्विक क्रियान्वयन विधिक आदेश।

अंतरराष्ट्रीय सर्वधर्म परिषद के संविधान के अनुच्छेद 26 (पर्यावरण संरक्षण, जलवायु न्याय एवं सतत जीवन मूल्य) के उपबंधों के अंतर्गत तथा शासी निकाय (Governing Council) द्वारा पारित सर्वसम्मत संकल्प संख्या GC-35/2025 के अनुसरण में, संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन फ्रेमवर्क (UNFCCC) एवं सतत विकास लक्ष्यों (SDGs 13, 14, 15) के समनुरूप, **समस्त धर्म-परंपराओं के साझा आध्यात्मिक दायित्व के रूप में 'वैश्विक सर्वधर्म हरित चार्टर 2025' (Global Interfaith Green Charter)** को एतद्वारा विधिक रूप से प्रख्यापित, विमोचित एवं लागू किया जाता है।

1. संक्षिप्त नाम, विस्तार एवं प्रवर्तन

- 1.1 यह अधिसूचना 'अंतरराष्ट्रीय सर्वधर्म हरित चार्टर एवं पर्यावरण संरक्षण अधिसूचना, 2025' कही जाएगी।
- 1.2 यह अधिसूचना परिषद के समस्त 150+ सदस्य देशों, क्षेत्रीय संभागों, राष्ट्रीय शाखाओं तथा संबद्ध उपासना स्थलों (मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारा, चर्च, मठ, जिनालय व अन्य पूजा स्थलों) पर तत्काल प्रभाव से लागू होगी।
- 1.3 इस चार्टर के उपबंध 05 सितंबर 2025 से स्थायी रूप से प्रभावी एवं बाध्यकारी रहेंगे।

2. हरित चार्टर का दार्शनिक एवं आध्यात्मिक आधार

परिषद यह दृढ़ता से स्वीकार करती है कि प्रकृति का संरक्षण मात्र एक वैज्ञानिक या राजनीतिक विषय नहीं, अपितु प्रत्येक धर्म और संस्कृति का एक अनिवार्य आध्यात्मिक कर्तव्य है:

- सनातन धर्म दर्शन: 'माता भूमि: पुत्रोऽहं पृथिव्याः' – पृथ्वी हमारी माता है और प्रकृति के पंचमहाभूतों की पवित्रता बनाए रखना प्रत्येक मनुष्य का धर्म है।
- इस्लामी दर्शन: 'मिज़ान' (दैवीय संतुलन) और 'खिलाफ़ा' (पृथ्वी के संरक्षक का दायित्व) – संसाधनों का अपव्यय और पर्यावरण का विनाश निषिद्ध है।

- ईसाई धर्म दर्शन: 'सृष्टि की रखवाली' (Creation Care & Stewardship) – ईश्वर द्वारा प्रदत्त इस धरा और उसके जीव-जंतुओं की सुरक्षा पवित्र दायित्व है।
- सिख धर्म दर्शन: 'पवणु गुरू पाणी पिता माता धरति महतु' – पवन गुरु है, जल पिता है और यह महान धरती हमारी माता के समान है।
- बौद्ध एवं जैन दर्शन: 'अहिंसा परमो धर्मः' एवं 'परस्परपग्रहो जीवानाम्' – समस्त जीवों एवं प्रकृति के प्रति करुणा और अपरिग्रह (आवश्यकता से अधिक संचय न करना)।

3. पंच-सूत्रीय विधिक हरित कार्ययोजना

समस्त संबद्ध संस्थानों, धार्मिक ट्रस्टों एवं समन्वयकों को निम्नलिखित 5 मुख्य स्तंभों का अनिवार्य अनुपालन सुनिश्चित करना होगा:

स्तंभ 1: 'हरित उपासना स्थल' अधिदेश:

- समस्त धार्मिक परिसरों में एकल-उपयोग प्लास्टिक (Single-Use Plastic) के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध।
- वर्षा जल संचयन (Rainwater Harvesting) एवं सौर ऊर्जा (Rooftop Solar) प्रणालियों की स्थापना।
- परिसर को ऊर्जा-दक्ष (Energy Efficient) एलईडी प्रकाश व्यवस्था से सुसज्जित करना।

स्तंभ 2: 'एक आस्था, एक वृक्ष' अभियान:

- वर्ष 2025-2026 के मध्य परिषद के वैश्विक नेटवर्क द्वारा 1 करोड़ (10 Million) स्थानीय एवं फलदार वृक्षों का रोपण एवं संरक्षण।
- प्रत्येक धार्मिक स्थल द्वारा अपनी रिक्त भूमि पर 'पवित्र वन' (Sacred Groves / Green Belt) विकसित करना।

स्तंभ 3: शून्य-अपशिष्ट धार्मिक उत्सव एवं प्रसाद प्रबंधन

- धार्मिक आयोजनों, लंगरों, प्रसादों एवं भंडारों में केवल जैव-अपघटनीय (Biodegradable / पत्तल-दोने) बर्तनों का प्रयोग।
- उत्सवों के पश्चात उत्पन्न जैविक अपशिष्ट का शत-प्रतिशत कम्पोस्टिंग (जैविक खाद) में रूपांतरण।

स्तंभ 4: पवित्र जलस्रोतों एवं नदियों का संरक्षण

- नदियों, सरोवरों, कुओं एवं प्राकृतिक जलाशयों में प्लास्टिक, रासायनिक रंगों एवं गैर-अपघटनीय सामग्रियों के विसर्जन पर पूर्ण रोक।
- स्थानीय समुदायों के सहयोग से जलस्रोतों की नियमित स्वच्छता एवं पुनर्जीवन अभियान चलाना।

स्तंभ 5: युवा एवं महिला हरित शांति दूत

- प्रत्येक राज्य एवं जिले में 100-100 युवा स्वयंसेवियों के 'हरित कार्यदल' (Green Interfaith Action Teams) का गठन।
- स्कूलों, कॉलेजों एवं धर्म-शिक्षा केंद्रों में पर्यावरण जागरूकता संगोष्ठियों का आयोजन।

4. केंद्रीय कार्यदल गठन एवं 'हरित नवाचार कोष'

4.1 'केंद्रीय सर्वधर्म हरित कार्यदल' का गठन तत्काल प्रभाव से किया जाता है, जिसके अध्यक्ष प्रख्यात पर्यावरणविद डॉ. राजेन्द्र सिंह (जलपुरुष) तथा संयोजक डॉ. के. एस. राघवन होंगे।

4.2 शासी निकाय द्वारा वार्षिक बजट के अंतर्गत \$500,000 USD (समकक्ष ₹4.15 करोड़) का 'सर्वधर्म हरित नवाचार अनुदान' (Green Innovation Grant) सृजित किया गया है, जिसके माध्यम से सर्वश्रेष्ठ हरित पहलों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी।

5. हरित प्रमाणन एवं वार्षिक पुरस्कार

5.1 परिषद द्वारा निर्धारित पर्यावरण मानकों को पूर्ण करने वाले उपासना स्थलों को 'स्टार-रेटेड ग्रीन सैंक्चुअरी प्रमाण-पत्र' (Green Sanctuary Certificate) प्रदान किया जाएगा।

5.2 आगामी 'विश्व सर्वधर्म महासम्मेलन 2025' में पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले 10 प्रमुख धार्मिक ट्रस्टों एवं 25 शांति दूतों को 'वैश्विक पृथ्वी रक्षक सम्मान' (Global Earth Defender Award 2025) से अलंकृत किया जाएगा।

6. विधिक अनुपालन, सतत निगरानी एवं रिपोर्टिंग

समस्त राष्ट्रीय एवं प्रांतीय समन्वयकों को प्रत्येक 6 माह में अपने क्षेत्राधिकार के उपासना स्थलों के हरित ऑडिट (Green Audit Report) की संकलित आख्या केंद्रीय पर्यावरण सचिवालय को अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करनी होगी।

भवदीय,



अधिकृत प्रतिनिधि/विधि प्रकोष्ठ
अंतरराष्ट्रीय सर्वधर्म परिषद

दिनांक: 27/08/2025



अधिकृत प्रतिनिधि/विधि प्रकोष्ठ
अंतरराष्ट्रीय सर्वधर्म परिषद